भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 373
बुधवार, 24 जुलाई2024 , को उत्तर दिए जाने के लिए

मछली पालन स्थल

†373. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी :

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश के समुद्री तटों पर मछली पालन स्थलों का मानचित्रण करती है;

(ख) यदि हां, तो देश के पूर्वी तट, विशेषकर आंध्र प्रदेश के समुद्री तट पर मछली पालन स्थलों का मानचित्रण करने संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) मानचित्रण करने से मछुआरों को जाल के आकार, नाव आदि के बारे में कितनी मदद मिलती है;

(घ) क्या सरकार प्रजाति-विशिष्ट मत्स्यपालन संबंधी परामर्श देने की तैयारी कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो आंध्र प्रदेश के विशेष संदर्भ में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) एवं (ख) जी हां। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के अंतर्गत केंद्रीय समुद्री मत्स्यपालन अनुसंधान संस्थान (CMFRI) ने विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश में मछली पालन स्थलों का मानचित्रण किया है।

(ग) मछली पालन स्थलों के मानचित्रण से मत्स्य प्रजनन ऋतु के दौरान विशेष प्रकार के मेश साइज आदि का प्रयोग करके मछली पकड़ने से बचने के लिए मछुआरों को परामर्श देने में मदद मिल सकती है।

(घ) जी हाँ। केंद्रीय समुद्री मत्स्यपालन अनुसंधान संस्थान (CMFRI) द्वारा प्रकाशित की गई फिशस्टॉक स्टेटस रिपोर्ट 2022 तथा नीति पथ-प्रदर्शन प्रलेखों में आंध्र प्रदेश समेत सभी समुद्र तटीय राज्यों हेतु प्रजाति विशिष्ट प्रबंधन परामर्शिकाएं प्रदान की गई हैं। इसके अतिरिक्त, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के एक स्वायत्तशासी संस्थान भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (इंकॉइस) ने भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के लिए ट्यूना फिशरीज परामर्शिकाएं तैयार की हैं, जो वर्ष 2010 से पहले से ही प्रचालन में हैं।

(ड.) प्रजाति-विशिष्ट मत्स्यपालन परामर्शिका अनुसंधान कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, इंकॉइस ने अरब महासागर एवं बंगाल की खाड़ी में सैटेलाइट टेलीमेट्रिक स्टडीज (SATTUNA) के माध्यम से ट्यूना पर्यावास संबंधी गहन अध्ययनों का प्रयोग करते हुए भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के लिए पहले ही ट्यूना परामर्शिकाएं तैयार की हुई हैं। इसके अतिरिक्त, इंकॉइस ने हिलसा, इंडियन मैकरेल तथा ऑयल सारडाइन्स जैसी कुछ वाणिज्यिक रूप से महत्वपूर्ण मछली प्रजातियों के लिए प्रजाति-विशिष्ट परामर्शिकाएं तैयार करने की दिशा में अनुसंधान आरंभ किया है। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में, इंकॉइस ने हुगली एश्चुअरी, पश्चिम बंगाल तथा गोदावरी एश्चुअरी, आंध्र प्रदेश से हिलसा मत्स्यपालन परामर्शिकाएं तैयार करने के लिए प्रयोग तथा डेटा एकत्रीकरण आरंभ किया है, क्योंकि ये प्रजातियां इन्हीं स्थानों पर सबसे अधिक प्रचुर मात्रा में पायी जाती हैं। इस डेटा का अंततः प्रयोग सुदृढ़ प्रजाति-विशिष्ट पूर्वानुमान मॉडल विकसित करने के लिए उपग्रह / मॉडल / स्व-स्थाने समुद्र विज्ञान प्राचलों हेतु प्रयोग किया जाएगा।

*****